दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, मंगलवार 02 मई 2023 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-05, अंक- 213

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

महत्वपूर्ण एवं खास

जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी ठिकाने का भंडाफोड़, भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक सामग्री जब्त

जम्मू (आरएनएस)। केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में सुरक्षा बलों ने सोमवार को एक आतंकवादी ठिकाने का भंडाफोड़ किया और हथियार और गोला-बारूद बरामद किया। पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि एक खुफिया जानकारी के आधार पर उनकी टीम ने सुरक्षाबलों के साथ मिलकर खारी तहसील के बुर्जाला जंगल इलाके में एक तलाशी अभियान चलाया, जिसमें उन्होंने आतंकवादी ठिकानों से हथियार, गोला-बारूद और संबंधित सामग्री के जखीरे बरामद किए। उन्होंने बताया कि बरामद किए गए सामान में दो राइफल ग्रेनेड, एक यूबीजीएल थ्रोअर, बिना बैटरी वाला एक वायरलेस एंटीना, तार के साथ दो आईईडी, तार के साथ एक डेटोनेटर टाइप, 17 एके47 कार्टिलेज, सात 9 एमएम कार्टिलेज, ग्लिसरीन के जैसे तरल वाली एक कांच की बोतल, एक खाकी जैकेट और एक काले चमड़े का जूता पाया गया। विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

बाघ के हमले में यूपी का किसान गंभीर रूप से घायल

लखीमपुर खीरी (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के दक्षिण खीरी वन प्रभाग में बाघ के हमले में 45 वर्षीय एक किसान गंभीर रूप से घायल हो गया। पिछले तीन हफ्तों में इस क्षेत्र में इस तरह की यह छठी घटना है। पीड़ित अयोध्या प्रसाद, मोहम्मदी वन परिक्षेत्र से लगभग 2 किमी दूर बोझवा गांव में अपने गन्ने के खेत में काम कर रहा था। रविवार को बाघ ने उस पर हमला कर दिया, जिससे उसकी गर्दन पर गंभीर चोटें आईं। आसपास के खेतों में काम कर रहे अन्य किसानों ने उसे बचाया और गोला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। प्रसाद को इलाज के बाद जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। प्रभागीय वन अधिकारी संजय बिस्वाल ने कहा, हमले की जगह के पास पाए गए पगमार्क का आकार इंगित करता है कि बाघ वयस्क है। चूंकि हमला वन क्षेत्र के बाहर हुआ है, पीड़ित परिवार को आवश्यक मुआवजे के लिए मामला राज्य सरकार को भेजा जाएगा। 11 अप्रैल को लखीमपुर खीरी के पेरली गांव का 16 वर्षीय लडक़ा तौसीफ अली मोहम्मदी वन परिक्षेत्र के पास अपनी बकरियां चराते समय बाघ के हमले में घायल हो गया था। खैरतिया गांव के 30 वर्षीय किसान हरमेश सिंह और साहेन खेड़ा गांव के 18 वर्षीय आकाश दिवाकर को क्रमश: 18 और 23 अप्रैल को बाघ ने मार डाला था।

अफगान पुलिस ने ड्रग लैब नष्ट की, एक गिरफ्तार

फिरोज कोआह। अफगानिस्तान के पश्चिमी घोर प्रांत में अफगान काउंटर-नारकोटिक्स पुलिस ने एक ड्रग प्रोसेसिंग लैब को नष्ट कर दिया और एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। बयान में कहा गया कि एक गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए मादक द्रव्य निरोधक पुलिस की इकाइयों ने शहरक जिले में एक अभियान शुरू किया, एक प्रयोगशाला की खोज की और उसे नष्ट कर दिया और उस व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस बलों ने भारी मात्रा में हेरोइन के निर्माण में इस्तेमाल होने वाली सामग्री का भी खुलासा किया। पिछले कुछ दिनों में ताखर, फराह, घोर, कपिसा और समंगन प्रांतों में सुरक्षाकर्मियों ने 13 कथित ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया है, जिसके बाद अफगान अधिकारियों ने अवैध ड्रग्स और भूमिगत कारोबार में शामिल लोगों पर अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। प्रांतीय पुलिस ने एक बयान में कहा कि अवैध नशीली दवाओं के खिलाफ लड़ाई में काउंटर-मादक पुलिस पुलिस ने शनिवार को पूर्वी कपिसा प्रांत में अफीम के खेतों के खिलाफ अभियान शुरू किया, और उनसे 160 हेक्टेयर अफीम के खेतों को नष्ट करने की उम्मीद थी। अफगान कार्यवाहक प्रशासन के सर्वोच्च नेता मुल्ला हिबतुल्ला अखुंदजादा ने 22 अप्रैल को अफीम की खेती और इसके प्रसंस्करण पर प्रतिबंध लगाने का फरमान जारी किया। तब से, अफगान पुलिस ने अवैध ड्रग्स के खिलाफ लड़ाई कड़ी कर दी है।

दुर्घटना मृत्यु में श्रमिकों के परिजनों को अब सहायता राशि पांच लाख, दिव्यांगता की स्थिति में मिलेगी ढाई लाख की राशि

- राज्य स्तरीय श्रम सम्मेलन में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने की घोषणा
- अपंजीकृत श्रमिकों को भी दुर्घटना मृत्यु पर मिलेगा एक लाख रुपए,
- 50 किमी तक की रेल-बस यात्रा में जारी होगा मासिक टिकट कार्ड
- नवीन आवास क्रय अथवा निर्माण के लिए निर्माण श्रमिकों को मिलेगा 50 हजार रुपए का अनुदान
- श्रमिक संसाधन केन्द्र पाटन और आरंग में, श्रमिकों की सहायता के लिए टोल फ्री नंबर 07713505050 का शुभारंभ किया

रायपुर (आरएनएस)। अंतरराष्ट्रीय श्रम दिवस के अवसर पर साइंस कालेज मैदान रायपुर में आयोजित श्रम सम्मेलन के अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने श्रमिक हितों में बड़ी घोषणाएं की। उन्होने कार्यस्थल पर दुर्घटना मृत्यु में पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के परिजनों को मिलने वाली सहायता राशि एक लाख रुपए से बढ़ाकर 5 लाख रुपए करने तथा स्थायी दिव्यांगता की स्थिति में इन्हें देय राशि 50 हजार से बढ़ाकर ढाई लाख रुपए करने की घोषणा की। साथ ही अपंजीकृत श्रमिकों को भी कार्यस्थल पर दुर्घटना से मृत्यु होने पर एक लाख रुपए की सहायता प्रदान की जाएगी। इस मौके पर स्कूल शिक्षा मंत्री प्रेमसाय सिंह टेकाम, महिला एवं बाल विकास मंत्री अनिला भेडिया, संसदीय सचिव विकास उपाध्याय, संजारी बालोद विधायक संगीता सिन्हा, महिला आयोग की अध्यक्ष किरणमयी नायक, पूर्व सांसद नंद कुमार साय और छाया वर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में मुख्यमंत्री निर्माण मजदूर मंथली सीजन टिकट कार्ड योजना की घोषणा की। इसके अंतर्गत जो पंजीकृत निर्माण श्रमिक अपने घर से रेल अथवा बस से कार्यस्थल तक यात्रा करते हैं। उनके लिए मासिक टिकट कार्ड एमएसटी जारी किया जाएगा, यह कार्ड 50 किमी तक की यात्रा के लिए हो सकेगा। इसका संपूर्ण व्यय छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार मंडल वहन करेगा। इसके साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक सहायता योजना की घोषणा भी की। इसके अंतर्गत निर्माणी श्रमिकों को नवीन आवास निर्माण अथवा क्रय के लिए 50 हजार रुपए का अनुदान प्रदाय किया जाएगा। मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक दीर्घायु सहायता योजना की घोषणा भी उन्होंने की। इसमें हार्ट सर्जरी, लीवर ट्रांसप्लांट, किडनी ट्रांसप्लांट, न्यूरो सर्जरी, रीढ़ की हड्डी की सर्जरी, पैर के घुटने की सर्जरी, कैंसर, लकवा जैसी गंभीर बीमारियों के इलाज में शासन की स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं के अतिरिक्त भी 20 हजार रुपए का अनुदान निर्माणी श्रमिकों को मिल सकेगा।

इस मौके पर अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि आज 56 करोड़ रुपए से अधिक की राशि डीबीटी के माध्यम से श्रमिकों को हस्तांतरित की जा रही है। हम लोग श्रमिकों के खाते में सीधे राशि का हस्तांतरण कर रहे हैं ताकि वे अपने जरूरत की सामग्री क्रय कर सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि आप लोगों की वजह से ही छत्तीसगढ़ समृद्धि की राह पर है। जब दुनिया लाकडाउन से जूझ रही थी। उस वक्त भी आप लोग छत्तीसगढ़ में अपनी मेहनत का पसीना बहा रहे थे। आप लोगों की वजह से ही कोरोना संकट के बावजूद छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था स्थिर रही। उन्होंने कहा कि बोरे बासी श्रम से जुड़ा आहार है। हमारी परंपरा है। जब खेतों में हमारे भाई अपने श्रम का पसीना बहाकर सुस्ताते हैं तब बोरे बासी उन्हें शीतलता प्रदान करता है।

नगरीय प्रशासन एवं श्रम मंत्री डा. शिव कुमार डहरिया ने कहा कि पिछले चार वर्षों में श्रम विभाग ने 13 नई योजनाएं जारी की हैं और इसके माध्यम से श्रमिकों को 172 करोड़ रुपए की सहायता राशि दी गई है। आज श्रमिकों की सहायता के लिए विभाग हेल्प लाइन नंबर भी जारी कर रहा है। कोंडागांव विधायक मोहन मरकाम ने कहा कि श्रमिक कल्याण के लिए सरकार ने पिछले चार सालों में बड़ा काम किया है जिससे छत्तीसगढ़ समृद्धि की राह पर आगे बढ़ रहा है। कार्यक्रम को छत्तीसगढ़ श्रम कल्याण मंडल के अध्यक्ष शफी अहमद एवं भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार मंडल के अध्यक्ष सुशील सन्नी अग्रवाल, खनिज विकास निगम के अध्यक्ष गिरीश देवांगन ने भी संबोधित किया। सचिव अमृत खलखो ने विस्तार से योजनाओं की जानकारी दी।

फर्जी सर्टिफिकेट पर टीचर ने की 36 साल नौकरी : कोर्ट ने सुनाई 6 साल की जेल, 50 लाख का जुर्माना

रांची (आरएनएस)। झारखंड की उपराजधानी दुमका के सरैयाहाट प्रखंड में एक शिक्षक फर्जी सर्टिफिकेट पर 36 साल तक नौकरी करता रहा। शिक्षा विभाग को इस फजीर्वाड़े का पता तब चला जब शिक्षक रिटायर हो गया। अब उस शिक्षक को सजा सुनायी गयी है। फर्जी सर्टिफिकेट पर 36 साल तक नौकरी करने वाले शिक्षक शुकदेव मंडल को दुमका के प्रथम श्रेणी के न्यायिक दंडाधिकारी ने 6 साल की जेल और 50 लाख का जुर्माना लगाया है। 12 साल तक चले मुकदमे में अदालत ने उन्हें दोषी पाकर सजा सुनाई है। जुर्माने की राशि सरकारी कोष में नहीं जमा करने पर अभियुक्त को छह माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। वर्ष 2011 में तत्कालीन जिला शिक्षा अधीक्षक को जांच के क्रम में पता चला कि सरैयाहाट प्रखंड के कानीजोर प्राथमिक विद्यालय के रिटायर्ड टीचर शुकदेव मंडल ने फर्जी प्रमाण पत्र के सहारे नौकरी हासिल की है। यही नहीं रिटायर होने के बाद सरकारी प्रावधान के अनुसार उन्होंने राशि भी ले ली। जांच में पता चला कि शिक्षक ने वर्ष 1968 का मैट्रिक का जो सर्टिफिकेट प्रमाणपत्रों के साथ जमा किया है, अभिलेख में उनके नाम की जगह पर दूसरे का नाम है। इससे लगता है कि शुकदेव मंडल ने फर्जी कागजात के आधार पर नौकरी हासिल की। इसके बाद तत्कालीन प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी अमरनाथ साहू को तत्काल मामले में प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया गया।

इस मामले में शिक्षक को नोटिस देकर कहा गया कि रिटायरमेंट के बाद उन्होंने जो सरकारी राशि प्राप्त की है उसे एक माह के अंदर देवघर कोषागार में जमा कर दें। पर इस मामले में शिक्षक की ओर से किसी तरह का जवाब नहीं दिया गया। इसके बाद 18 अगस्त 2011 को सरैयाहाट थाने में फर्जी प्रमाण पत्र के आधार पर सरकारी सेवा करने और सेवानिवृत्ति के बाद प्राप्त सरकारी राशि वापस न करने का मामला दर्ज कराया गया।

लुधियाना गैस लीक घटना पर पीएम मोदी ने जताया दुख, मृतकों के परिवारों को 2-2 लाख देने की घोषणा

लुधियाना (आरएनएस)। लुधियाना के गियासपुरा इलाके में कथित रूप से जहरीली गैस की चपेट में आने से तीन बच्चों सहित 11 लोगों की मौत के एक दिन बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को इस त्रासदी पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने दो दिन पहले 29 अप्रैल को भिवंडी में इमारत ढहने की घटना पर भी दुख व्यक्त किया, जिसमें आठ लोगों की मौत हो चुकी है।

मोदी ने सोमवार को दोनों घटनाओं के लिए मृतकों और घायलों के लिए अनुग्रह राशि की घोषणा की।

पीएमओ ने ट्वीट किया, लुधियाना में गैस रिसाव के कारण हुई त्रासदी पर दुख व्यक्त करते हुए, पीएम एटदरेट नरेंद्र मोदी ने प्रत्येक मृतक के परिजनों के लिए पीएमएनआरएफ से दो लाख रुपये और घायलों के लिए 50 हजार की अनुग्रह राशि की घोषणा की है।

पीएमओ ने एक अलग ट्वीट में कहा, महाराष्ट्र के भिवंडी में हुई त्रासदी से आहत हूं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना और घायलों के लिए प्रार्थना। हादसे में प्रत्येक मृतक के परिजनों को पीएमएनआरएफसे दो लाख रुपये और घायलों को 50 हजार की अनुग्रह राशि दी जाएगी।

लुधियाना की घटना में, घटना में मरने वाले 11 लोगों के अलावा, चार लोग बीमार हो गए और उनका इलाज चल रहा है। उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। घटना के बाद निवासियों को बाहर निकाला गया और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की एक टीम को मौके पर भेजा गया।

एनडीआरएफ की टीम ने क्षेत्र में हाइड्रोजन सल्फाइड के उच्च स्तर का पता लगाया। रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि एक औद्योगिक इकाई से कुछ रसायनों को नागरिक सीवेज लाइन में अचानक डंप कर दिया गया था। घटना की मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए गए हैं और अज्ञात लोगों के खिलाफ धारा 304 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

एनडीआरएफ ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि इस बीच, भिवंडी इमारत ढहने की घटना में मरने वालों की संख्या सोमवार को बढक़र आठ हो गई, जबकि तलाश और बचाव अभियान तीसरे दिन भी जारी रहा। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के भिवंडी इलाके में शनिवार दोपहर तीन मंजिला इमारत ढह गई थी।

तलाक पर 'सुप्रीम' फैसला, पति-पत्नी राजी हों तो 6 महीने का इंतजार भी जरूरी नहीं

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने आपसी सहमति से विवाह विच्छेद पर फैसला सुनाते हुए गाइड लाइन जारी की। सुप्रीम कोर्ट ने आपसी सहमति से शादी खत्म करने पर फैसला सुनाते हुए कहा कि अगर संबंधों को सुधारना संभव ना हो तो कोर्ट विशेष शक्तियों के तहत मिले अधिकारों के जरिए दखल दे सकता है। कोर्ट ने कहा कि तलाक से पहले आपसी सहमति के लिए दिए जाने वाले 6 महीने के वेटिंग पीरियड की भी बाध्यता नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत उसे दी गई विशेष शक्ति का उपयोग करते हुए सहमति से तलाक के लिए दी जाने वाली 6 महीने की अनिवार्य प्रतीक्षा अवधि को शर्तों के अधीन खत्म किया जा सकता है। जस्टिस संजय किशन कौल की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि आर्टिकल 142 के तहत सुप्रीम कोर्ट को यह अधिकार है कि वह दोनों पक्षों के साथ न्याय करने वाला कोई भी आदेश जारी कर सकता है। इस बेंच में जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस एएस ओका, विक्रम नाथ और जस्टिस एके माहेश्वरी भी शामिल थे।

बेंच ने कहा, 'यदि शादी में रिश्ते सुधरने की कोई गुंजाइश ना बची हो और पति-पत्नी राजी हों तो फिर सुप्रीम कोर्ट से तलाक मिल सकता है।' जस्टिस खन्ना ने बेंच का फैसला पढ़ते हुए कहा कि ऐसा करते हुए फैमिली कोर्ट जाने की जरूरत नहीं होगी, जहां तलाक के लिए 6 से 18 महीने तक का इंतजार करना होता है।

इसके साथ ही बेंच ने अपने फैसला में कुछ गाइडलाइंस भी तय कीं, जिन पर तलाक के फैसले देते हुए विचार करना जरूरी होगा। अदालत ने कहा कि हिंदू मैरिज ऐक्ट में संबंध सुधरने की गुंजाइश ना होने वाली नहीं कही गई है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट अपने अधिकार का इस्तेमाल करते हुए इसके आधार पर तलाक मंजूर कर सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इसके अलावा व्यभिचार, धर्मांतरण और क्रूरता जैसी चीजें भी तलाक के लिए आधार मानी गई हैं। बता दें कि जून 2016 में एक मामले की सुनवाई करते हुए दो सदस्यीय बेंच ने संवैधानिक बेंच के समक्ष मामला भेजा था।

मिसिसिपी में गोलीबारी में 2 किशोरों की मौत, 4 घायल

वाशिंगटन। अमेरिकी राज्य मिसिसिपी के बे सेंट लुइस शहर में एक हाउस पार्टी के दौरान गोलीबारी हुई, जिसमें दो किशोरों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। बे सेंट लुइस पुलिस विभाग के अनुसार, एक संदिग्ध, जिसकी पहचान 19 वर्षीय कैमरून एवरेस्ट ब्रांड के रूप में की गई है, को गंभीर हमले के छह आरोपों में गिरफ्तार किया गया। ओल्ड ब्लू मीडो रोड के 1000 ब्लॉक में दोपहर करीब 12.34 बजे अधिकारियों ने गोलीबारी का जवाब दिया। बे सेंट लुइस पुलिस प्रमुख जे टोबी श्वाट्र्ज ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, मौके पर पहुंचने पर कई लोगों को गोली लगने से घायल पाया गया। पीड़ितों के नाम जारी नहीं किए गए हैं, लेकिन उनकी उम्र 15 से 18 साल के बीच है।

डीपीएस को बम से उड़ाने की धमकी का मामला पुलिस ने सुलझाया, नाबालिग छात्र ने की थी शरारत, भेजा था फेक ईमेल

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली पुलिस ने 'दिल्ली पब्लिक स्कूल' (डीपीएस) को बम की धमकी भेजने वाले की पहचान उसके 16 वर्षीय छात्र के रूप में की है। पुलिस ने पुष्टि की है कि यह छात्र द्वारा भेजा गया एक फर्जी ईमेल था। छात्र ने स्वीकार किया है कि उसने सिर्फ मनोरंजन के लिए शरारत की थी। सूत्रों के अनुसार, काउंसिलिंग के दौरान छात्र ने स्वीकार किया कि सादिक नगर में 'द इंडियन स्कूल' में इसी तरह की घटना के बाद उसके मन में यह विचार आया।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि पिछले हफ्ते बुधवार को डीपीएस, मथुरा रोड को ई-मेल के जरिए बम की धमकी मिली थी, इसके बाद छात्रों को वहां से हटा दिया गया और परिसर की गहन तलाशी ली गई, लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला।

पुलिस उपायुक्त, दक्षिण-पूर्व, राजेश देव ने कहा था कि बुधवार सुबह लगभग 7.50 बजे, स्कूल के प्रिंसिपल ने हजरत निजामुद्दीन पुलिस स्टेशन के एसएचओ को फोन किया और उन्हें बताया कि उन्हें उनके स्कूल के आधिकारिक मेल पर एक मेल मिला है कि स्कूल में एक बम लगाया गया है और सुबह 9 बजे इसमें विस्फोट किया जाएगा। इस सूचना पर स्कूल को खाली करा लिया गया, लेकिन टीमों द्वारा तलाशी के बाद परिसर में कोई बम नहीं मिला।

कांग्रेस में शामिल हुए आदिवासी नेता नंदकुमार साय, भाजपा से दिया इस्तीफा

रायपुर । आदिवासी नेता नंदकुमार साय आज कांग्रेस में शामिल हो गए हैं। राजीव भवन में सीएम भूपेश की मौजूदगी में नंदकुमार साय कांग्रेस में शामिल हुए। कल ही नंदकुमार साय ने भाजपा पार्टी का साथ छोड़ा था। इस मौके पर पीसीसी चीफ मोहन मरकाम समेत कई कांग्रेसी नेता कांग्रेस भवन में मौजूद रहे।

छत्तीसगढ़ में आदिवासी मुख्यमंत्री की बात करने वाले बीजेपी के वरिष्ठ आदिवासी नेता नंदकुमार साय ने प्रदेश के बीजेपी के एक बड़े नेता पर निशाना साधा है। उन्होंने इस्तीफा के साथ ही जो वीडियो शेयर किया है। उस वीडियो ने पूरे छत्तीसगढ़ की सियासत में खलबली मचाकर रख दी है।

वीडियो में नंदकुमार साय ये कह रहे हैं कि एक नेता ने मुझसे कहा कि 'मुख्यमंत्री तो आपको ही बनाना था पर आप चुनाव नहीं जीत पाए। परिणाम ये हुआ कि किसी अन्य को बना दिया गया। लाठी, डंडा, मेहनत परिश्रम हमने किया। हमको किसी प्रकार का कोई भी दायित्व नहीं दिया गया। मेरे बड़े भाई दिलीप सिंह जुदेव को नीचा दिखाया गया। बीजेपी शासनकाल में ब्यूरोक्रेट्स हावी हो गए थे। कार्यकर्ता किनारे हो गए थे। जिसका मैं विरोध करता था। मैं कहता था कि यहां के कार्यकर्ताओं की सुनी जानी चाहिए। उनके हिसाब से काम होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि मैं इस बात को कहूं नहीं, इसलिए मुझे छत्तीसगढ़ से बाहर रखा जाता था। ताकि मैं अपनी बातों को कह ना पाऊं। देख ना पाऊं और वो अपनी मनमानी करते रहे। मेरे खिलाफ ये बाते कही गई कि ये आदिवासियों की मीटिंग करते हैं। आदिवासी मुख्यमंत्री की बात करते हैं और लोगों को भड़काते रहते हैं। पत्रकारों के पूछने पर मैं कहता था कि आदिवासी राज्य है आदिवासी सीएम हो तो बहुत अच्छी बात होगी, लेकिन ये निर्णय करने का काम बीजेपी के केंद्रीय संगठन का है। अभी मेरे कार्यकर्ताओं को भयभीत किया गया है। मेरे फोटो को दूसरे के साथ लगाने से रोका जा रहा है। मैं इस पार्टी से बहुत ही दुखी और व्यथित हूं। आहत हूं मैं पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे रहा हूं।

उनके इस्तीफा देने के साथ ही प्रदेश की राजनीति गरमाई हुई है। मामले में जमकर सियासत हो रही है। कांग्रेस इस मामले में नंदकुमार साय के बहाने आदिवासी वोट को लेकर लगातार हमलावर है। बीजेपी पर जमकर निशाना साध रही है। कांग्रेस नेता लगातार तीखी प्रतिक्रया दे रहे हैं। इसी क्रम में प्रदेश के मुखिया भूपेश बघेल ने ट्वीट कर बीजेपी पर तंज कसा है। उन्होंने ट्वीट कर लिखा कि 'आज नंद कुमार साय ने अपने साथ-साथ आदिवासियों के "मन की बात" भी कह दी है। #आदिवासी_विरोधी_भाजपा। सीएम बघेल ने अपने ट्वीट के साथ ही नंदकुमार साय के इस्तीफे का खत भी शेयर किया है।

अभी इस्तीफा स्वीकार नहीं, मनाएंगे: रमन सिंह- दूसरी ओर बीजेपी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और प्रदेश के पूर्व सीएम रमन सिंह ने कहा कि मेरी काफी दिनों से उनसे समान्यत: मुलाकात नहीं हुई है। पार्टी के बैठकों में मिलते रहे हैं, लेकिन आज जिस प्रकार का बयान आया है, वैसे कभी चर्चा कभी नहीं हुई। उनके जाने से आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी पर प्रभाव पड़ने के सवाल पर कहा कि वे पार्टी के सीनियर नेता हैं। उनका इस्तीफा आया है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव के पास है। अभी इस्तीफा स्वीकार नहीं किया गया है। उनसे बातचीत की जाएगी। साव और पार्टी के अन्य नेता भी उनसे बातचीत करेंगे। संगठन के राष्ट्रीय नेता भी बात करेंगे। उन्हें मनाया जाएगा। कुछ ना कुछ रास्ता निकल सकता है। साय से संपर्क करने के सवाल पर कहा कि उनसे संपर्क किया गया पर बातचीत नहीं हो सकी है।

कोई नाराजगी नहीं, गलतफहमी दूर करेंगे: अरुण साव- दूसरी ओर बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने कहा कि मेरी उनसे बातचीत हुई है। कोई नाराजगी नहीं थी। बहुत ही सामान्य बातचीत हुई थी। आज उनका इस्तीफा मिला है। कल फिर उनसे बातचीत की जाएगी। उन्हें मनाने की पूरी कोशिश की जाएगी। कोई गलतफहमी है, तो उसे दूर कर लिया जाएगा। वे पार्टी के बहुत ही वरिष्ठ नेता हैं। गलतफहमी है, किसी तरह की उनकी। पार्टी में उनका बहुत बड़ा योगदान रहा है। बात है तो निश्चितौर पर हम उनसे बातचीत करेंगे। दो दिन पहले ही उनसे सामान्य बातचीत हुई थी।